दिव्य आकाश

कोरबा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

वर्ष-14, अंक - 28 | कोरबा, शुक्रवार दिनांक 20 से 26 अक्टूबर 2023 | पृष्ठ-6 मूल्य ₹ 3.00

सुविचार

बदलाव जीवन का सार है और जहां बदलाव नहीं वहां जीवन रूक सा जाता है।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग में की शाह की शिकायत

रायपुर (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग में शिकायत की है। कांग्रेस का आरोप है कि शाह ने सोमवार को राजनांदगांव में भड़काऊ भाषण दिया है। जो आचार संहिता का उल्लंघन है। शाह का बयान ना केवल आपत्तिजनक है बल्कि इसका मकसद शांत प्रदेश छत्तीसगढ़ में सांप्रदायिक हिंसा भड़काना है।

कांग्रेस के प्रदेश संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि गृह मंत्री ने चुनावी फायदे की नीयत से उन्माद भड़काने के लिए जो बयान दिया वो बिल्कुल झूठा है। उस मामले में सरकार ने तुरंत कार्रवाई की थी और आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। लेकिन अपनी हार से बौखलाए अमित शाह अब सांप्रदायिकता का सहारा लेना चाहते हैं।

शिकायत में कहा गया है कि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और देश के गृह मंत्री अमित शाह ने राजनांदगांव से पार्टी प्रत्याशी डॉ रमन सिंह की नामांकन सभा में दिए अपने भाषण में दंगा भड़काने के मकसद से गलत बयानी की। उन्होंने बेमेतरा जिले के बिरनपुर में हुई हत्या के मामले में सरकार पर सवाल उठाए थे।

डोभाल बोले- आतंकवाद सबसे गंभीर खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल ने आतंकवाद को अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए सबसे गंभीर खतरा बताया है। डोभाल ने ये भी कहा कि इसकी प्रेरणा या कारण चाहे जो भी हों, इसे सही नहीं ठहराया जा सकता। डोभाल मंगलवार 17 अक्टूबर को कजाखस्तान में दक्षिण एशियाई देशों के NSA के कॉन्क्लेव में बोल रहे थे।

डोभाल ने ये भी कहा कि भारत दक्षिण एशियाई देशों को यूनाइटेड पेमेंट इंटरफेस (UPI) से जुड़ी टेक्नोलॉजी फ्री में देने को तैयार है। इससे सेंट्रल एशिया के उन लोगों को काफी फायदा होगा, जो इलाज के लिए भारत आना चाह रहे हैं।

पीएम बोले-दुनिया में एक नया वर्ल्ड ऑर्डर बन रहा

सबकी नजर भारत पर, जल्द ही हम दुनिया की टॉप 3 इकोनॉमिक पॉवर में से एक होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट 2023 के तीसरे एडिशन का इनॉगरेशन किया। पीएम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस तीन दिवसीय कार्यक्रम से जुड़े।

इस दौरान पीएम ने कहा- हम इस समिट को लेकर इससे पहले 2021 में मिले थे, तब पूरी दुनिया कोरोना से घिरी हुई थी। तब कोई नहीं जानता था कि कोरोना के बाद की दुनिया कैसी होगी। आज दुनिया में एक नया वर्ल्ड ऑर्डर आकार ले रहा है।

उन्होंने कहा- इस बदलते हुए वर्ल्ड ऑर्डर में पूरा विश्व भारत की ओर नई आकांक्षाओं से देख रहा है। आर्थिक संकट से घिरी हुई दुनिया में भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। वो दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया की टॉप 3 इकोनॉमिक पॉवर में से एक होगा।

पीएम ने कहा- इतिहास साक्षी है कि जब भी भारत की मैरीटाइम क्षमता मजबूत रही है, देश और दुनिया को इससे बहुत फायदा हुआ है। इसी सोच के साथ बीते 9 सालों से हम इस सेक्टर को मजबूत करने के लिए योजना बनाते हुए काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा- हाल ही में भारत की पहल पर एक ऐसा कदम उठाया गया है, जो 21वीं सदी में दुनिया भर की मैरीटाइम इंडस्ट्री को बदल सकता है। त्20 समिट के दौरान इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर (IMEEC) पर ऐतिहासिक सहमति बनी है।

सैंकड़ों साल पहले सिल्क रूट ने ग्लोबल बिजनेस को बढ़ाया था, ये दुनिया के कईं देशों के विकास का आधार बना था। अब ये ऐतिहासिक कॉरिडोर भी लोकल और ग्लोबल बिजनेस की इमेज को बदल देगा।

2040 तक चंद्रमा पर इंसान भेजेगा भारत

पीएम मोदी ने कहा- 2035 तक स्पेस स्टेशन बनाएं, 2025 में गगनयान से इंसान को स्पेस में भेजें

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 2040 तक चंद्रमा पर इंसान को भेज सकता है। 2035 तक अपना स्पेस स्टेशन बना सकता है। हालांकि इससे पहले 2025 में वह अंतरिक्ष में मानव मिशन गगनयान भेजेगा। यह टारगेट मंगलवार यानी 17 अक्टूबर को इसरो के वैज्ञानिकों के साथ पीएम मोदी की मीटिंग में तय किए गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने 21 अक्टूबर को भारत के पहले ह्यूमन स्पेस फ्लाइट मिशन गगनयान के क्रू एस्केप सिस्टम की टेस्टिंग की तैयारियों की जानकारी भी ली।

पीएमओ ने बताया कि भारत की पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान 2025 में होने की संभावना है। मीटिंग में प्रधानमंत्री ने इसरो के वैज्ञानिकों से कहा कि हमें 2035 तक अपना स्पेस स्टेशन बनाने और 2040 तक चंद्रमा पर मानव भेजने की योजना पर काम करना चाहिए। पीएम ने वीनस ऑर्बिटर मिशन और मार्स लैंडर पर भी काम करने को कहा।

गगनयान के क्रू एस्केप सिस्टम की टेस्टिंग 21 अक्टूबर को सुबह 8 बजे

इसरो मिशन गगनयान के क्रू एस्केप सिस्टम की टेस्टिंग 21 अक्टूबर को सुबह 8 बजे के बीच करेगा। आसान भाषा में कहें तो मिशन के दौरान रॉकेट में गड़बड़ी होने पर अंदर मौजूद एस्ट्रोनॉट को पृथ्वी पर सुरक्षित लाने वाले सिस्टम की टेस्टिंग होगी। गगनयान मिशन के टेस्ट व्हीकल अबॉर्ट मिशन-1 (TV-Dv) को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया जाएगा। इस फ्लाइट में तीन हिस्से होंगे- अबॉर्ट मिशन के लिए बनाया सिंगल स्टेज लिक्विड रॉकेट, क्रू मॉड्यूल और क्रू एस्केप सिस्टम। क्रू मॉड्यूल के अंदर का वातावरण अभी वैसा नहीं होगा जैसा मैन्ड मिशन में होगा।

यह शॉर्ट टर्म मिशन होगा, जिसे स्टूडेंट SDSC-SHAR श्रीहरिकोटा में LVG से मिशन की लॉन्चिंग देख सकते हैं। इसके लिए https://lvg.shar.gov.in/VSCREGISTRATION/inde&.jsp पर 17 अक्टूबर की शाम 6 बजे से रजिस्ट्रेशन शुरू हो जाएगा।

समुद्र में क्रू मॉड्यूल की लैंडिंग कराई जाएगी

टेस्ट व्हीकल क्रू मॉड्यूल को ऊपर ले जाएगा। फिर अबॉर्ट जैसी सिचुएशन बनाई जाएगी। लगभग 17 किमी की ऊंचाई पर जब रॉकेट साउंड की स्पीड से 1.2 गुना होगा तो इससे क्रू मॉड्यूल और क्रू एस्केप सिस्टम अलग हो जाएगा। क्रू मॉड्यूल को यहां से लगभग 2 Km दूर ले जाया जाएगा और श्रीहरिकोटा से 10 Km दूर समुद्र में लैंड कराया जाएगा।

इस मिशन में वैज्ञानिक यह टेस्ट करेंगे कि अबॉर्ट ट्रैजेक्टरी क्या ठीक तरह से काम कर रही है। असल मिशन के दौरान रॉकेट में खराबी आने पर एस्ट्रोनॉट कैसे सुरक्षित रूप से लैंड करेंगे। कुल चार टेस्ट फ्लाइट भेजी जानी हैं। TV-D1 के बाद D2, D3 और D4 को भेजा जाएगा। अगले साल की शुरुआत में गगनयान मिशन का पहला अनमैन्ड मिशन प्लान किया गया है। अनमैन्ड मिशन यानी इसमें किसी भी मानव को स्पेस में नहीं भेजा जाएगा। अनमैन्ड मिशन के सफल होने के बाद मैन्ड मिशन होगा, जिसमें इंसान स्पेस में जाएंगे।

अगले साल अनमैन्ड और मैन्ड मिशन लॉन्च करने की योजना

गगनयान मिशन के तहत इसरो ने अगले साल की शुरुआत में गगनयान मिशन का पहला अनमैन्ड मिशन प्लान किया है। अनमैन्ड मिशन के सफल होने के बाद मैन्ड मिशन होगा, जिसमें इंसान स्पेस में जाएंगे।

गगनयान के लिए इसरो ने की थी पैराशूट की टेस्टिंग

इससे पहले ISRO ने गगनयान मिशन के लिए ड्रैग पैराशूट का सफल परीक्षण 8 से 10 अगस्त के बीच चंडीगढ़ में किया था। ये पैराशूट एस्ट्रोनॉट्स की सेफ लैंडिंग में मदद करेगा। यह क्रू मॉड्यूल की स्पीड को कम करेगा, साथ ही उसे स्थिर भी रखेगा। इसके लिए एस्ट्रोनॉट्स की लैंडिंग जैसी कंडीशन्स टेस्टिंग के दौरान क्रिएट की गई थीं।

तीन एस्ट्रोनॉट 400 KM ऊपर जाएंगे, 3 दिन बाद लौटेंगे

गगनयान में 3 दिनों के मिशन के लिए 3 सदस्यों के दल को 400 KM ऊपर पृथ्वी की कक्षा में भेजा जाएगा। इसके बाद क्रू मॉड्यूल को सुरक्षित रूप से समुद्र में लैंड कराया जाएगा। अगर भारत अपने मिशन में कामयाब रहा तो वो ऐसा करने वाला चौथा देश बन जाएगा। इसे पहले अमेरिका, चीन और रूस ऐसा कर चुके हैं।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस का घोषणापत्र 25 के बाद

महिलाओं और महंगाई पर रहेगा फोकस, एमपी की नारी सम्मान योजना की तर्ज पर हो सकती है घोषणा

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस की 10 दिनों में घोषणा पत्र को लेकर अंतिम बैठक होने वाली है। ऐसे में 25 अक्टूबर के बाद घोषणापत्र जारी कर सकती है। कांग्रेस घोषणापत्र को इस तरह से तैयार कर रही है कि इसका असर 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भी देखने को मिले।

कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व महंगाई के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरता रहा है। ऐसे में महंगाई से राहत दिलाने वाले बिंदुओं को शामिल किया जा सकता है। वहीं मध्यप्रदेश कांग्रेस की नारी सम्मान योजना की तर्ज पर यहां भी योजना की घोषणा करने की तैयारी जारी है।

ये है नारी सम्मान योजना

एमपी कांग्रेस ने महिलाओं को साधने के लिए नारी सम्मान योजना की घोषणा की है। इसके अंतर्गत सभी महिलाओं को 1500 रुपए प्रति माह नारी सम्मान के रूप में दिए जाएंगे। साथ ही 500 रुपए में गैस सिलेंडर, 100 यूनिट बिजली मुफ्त और 200 यूनिट बिजली आधी दर पर दी जाएगी। ऐसी योजना छत्तीसगढ़ में लाने की चर्चा है।

महिलाओं के लिए बनाई गई है उप समिति

कांग्रेस ने घोषणा पत्र में महिलाओं के मुद्दों को लाने के लिए हेमा देशमुख की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय उपसमिति बनाई थी। इस उपसमिति ने प्रदेश भर में महिलाओं से चर्चा कर उनके सुझाव लिए है। प्रदेश में इस बार महिला वोटर्स की संख्या पुरुष वोटर्स से ज्यादा है, यही वजह है राजनैतिक पार्टियों का भी आधी आबादी पर पूरा फोकस है।

अब तक हो चुकी हैं समिति की 3 बैठकें

घोषणा पत्र समिति की अब तक 3 बैठकें हो चुकी हैं। सितंबर महीने में हुई बैठक में प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा भी शामिल हुई थीं। इस बैठक के बाद अब अंतिम बैठक 25 अक्टूबर तक हो सकती है, जिसके बाद कांग्रेस पार्टी अपना घोषणा पत्र जारी करेगी।

अब तक आए 4500 से ज्यादा सुझाव

जनता के मन की बात जानने के लिए कांग्रेस ने ई-मेल और सीधे सुझाव मांगे थे। ऐसे सुझाव जो पार्टी को पसंद आएंगे, उन्हें वे अपने घोषणा पत्र में शामिल करेंगे। इसके लिए कांग्रेस ने ई-मेल आईडी जारी की थी, जिस पर लोग अपने सुझाव भेज सकेंगे। ई-मेल पर अब तक 2500 से ज्यादा सुझाव ई-मेल के जरिए आए हैं। वहीं हार्ड कॉपी के माध्यम से लगभग 1800 सुझाव मिले हैं।

छत्तीसगढ़ घोषणा पत्र समिति के सदस्य इदरीश गांधी ने बताया कि रायशुमारी चल रही है। प्रदेश के सभी वर्गों पर फोकस करते हुए घोषणा पत्र तैयार किया जा रहा है। कांग्रेस के वादे ऐसी होंगे, जिसे सरकार बनने के बाद पूरा किया जा सके। इसलिए सभी पहलुओं का अध्ययन करने के बाद ही निर्णय लिया जाएगा।

ये हैं घोषणा पत्र समिति के सदस्य

कांग्रेस की घोषणा पत्र समिति में अध्यक्ष मोहम्मद अकबर, सदस्य रविन्द्र चौबे, शिवकुमार डहरिया, अमरजीत भगत, उमेश पटेल, प्रेमसाय सिंह टेकाम, धनेन्द्र साहू, फूलोदेवी नेताम, शैलेष पाण्डेय, अरुण वोरा, शिशुपाल सोरी, द्वारिकाधीश यादव, कुंवरसिंग निषाद, राजेश तिवारी, चुन्नीलाल साहू, इदरीश गांधी, हेमा देशमुख, अटल श्रीवास्तव, अजय तिर्की, राजेन्द्र जग्गी, वाणी राव, शेषराज हरवंश, आकाश शर्मा बनाये गए हैं।

केन्द्र की योजनाओं पर कांग्रेस ने कुंडली मारने का काम किया - उरांव

कोरबा (दिव्य आकाश)।

भाजपा ने कोरबा जिला की चारों सीटों पर प्रत्याशी की घोषणा कर दी है। चुनाव तक उनके साथ रहकर कोरबा की चारों सीट पर कमल खिलाने का काम किया जाएगा। केंद्र की योजनाओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए कार्यों और कांग्रेस की नाकामियों को जनता के बीच लेकर जा रहे हैं। केंद्र सरकार ने हर वर्ग के लिए योजनाएं बनाई हैं, जिस पर छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने कुंडली मारने का काम किया है।

उक्त बातें टीपी नगर में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान झारखंड से राज्यसभा सांसद व भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव ने कही।

श्री उरांव ने कहा कि कांग्रेस की भूपेश सरकार ने पांच वर्षों में जनता को ठगने का ही काम किया है। इस बार सभी ने इसे बदलने का मन बना लिया है। कोरबा की चारों विधानसभा सीट में हमारी जीत होगी, निश्चित ही बदलाव होगा। जनता के विकास को फोकस कर चुनाव लड़ रहे हैं। यात्री ट्रेनों के लगातार रद्द रहने को लेकर कहा कि रेल्वे इंफ्रास्ट्रक्चर का काम केन्द्र की मोदी शासन में त्वरित हुआ है। इसके लिए 6 हजार करोड़ का फंड दिया गया है। इससे पहले इतना फंड कभी नहीं दिया गया। आदिवासी मुख्यमंत्री के सवाल पर उन्होंने कहा कि पार्टी कमेटी जो सार्वजनिक निर्णय लेगी उसके आधार पर निर्णय लिया जाता है। केंद्र सरकार ने विकास कार्यों को गति दी है। छत्तीसगढ़ में डबल इंजन सरकार बनाकर छत्तीसगढ़ के विकास को गति देनी होगी। चारों प्रत्याशियों के प्रचार-प्रसार के लिए मैं चुनाव तक कोरबा में ही रहूंगा। एकजुट होकर सभी कार्यकर्ता सक्रियता से काम कर रहे हैं। कटघोरा प्रत्याशियों के खिलाफ गत दिनों लिए पत्रकार वार्ता के संबंध में प्रेसवार्ता में मौजूद कटघोरा प्रत्याशी प्रेमचंद पटेल ने कहा कि मेरी जानकारी में पत्रकार वार्ता लेने वाले भाजपा कार्यकर्ता नहीं है। अगर किसी को नाराजगी है तो उसे दूर करने का प्रयास किया जाएगा। कोरबा सीट पर जितने भी टिकट के दावेदार हैं सभी मेरे साथ पार्टी को विजय दिलाने एकजुट हैं। प्रेसवार्ता में चारों प्रत्याशी ननकीराम कंवर, रामदयाल उइके, लखन लाल देवांगन, प्रेमचंद पटेल, सहित भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह, जोगेश लांबा, गोपाल मोदी, अशोक चावलानी हितानंद अग्रवाल सहित अन्य भाजपाई मौजूद थे।

भ्रष्टाचार का रिकार्ड बनाया कांग्रेस ने- सिंह देव

भाजपा के बिलासपुर संभाग सह प्रभारी अनुराग सिंह देव ने कहा कि पांच साल में कांग्रेस सरकार ने सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं और कोरबा में भी भ्रष्टाचार किया गया। डीएमएफ का जमकर दुरूपयोग किया गया। उन्होंने कहा कि इस बार कोरबा जिला की सभी चारों सीट भाजपा जितेगी। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश में भाजपा की सरकार बना रहे हैं और जनता इस बार परिवर्तन के लिए मन बना चुकी है।

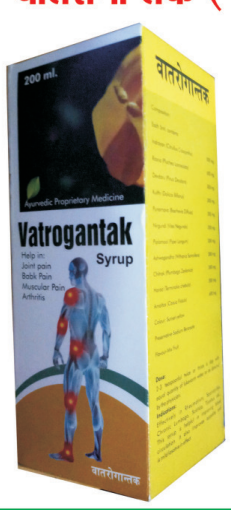

वातरोगान्तक (Vatrogantak) Syrup

वात सम्बन्धित रोग जैसे शूल, आमवात, सन्धिवात, कटिग्रह, गृध्रसी में अचूक औषधि है, र्‌यूमीकैप कुचला, इन्द्रायान, मूल गुडूची, रसौल, लहसुन, कुलिंजन बीज, शु. गुग्गुल, रास्नापत्र, इन्द्रजौ और अमलताश आदि औषधियों का मिश्रण है। इस औषधि का प्रधान कार्य वातवाहिनी नाड़ियों पर होता है। जब वायु कुपित हो भयंकर वेदना उत्पन्न करती है तब यह कैप्सूल विशेष प्रभावकारी होता है।

Bharat Ayurvedic Works, Mob.: 9897489900

आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श

गाठिया, जोड़ों का दर्द, साईटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो मर्दो व औरतों के गुप्त रोगों के निराश रोगी ईलाज के लिए मिलें।

डॉ. वाय. भारद्वाज (एम.डी.) (एन.एम.)

पतंजलि | श्रीश्री AYURVEDA | बैद्यनाथ | Dabur | ZANDU

शराब छुड़ाने की हर्बल दवा उपलब्ध

सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं चिल्हर विक्रेता

एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...

शिव हर्बल आयुर्वेदिक एण्ड कॉस्मेटिक

शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945

सुविचार

जीवन में कितनों भी चुनौती आये, घबराना नहीं, तभी सफलता संभव है।

राजनीति

मतदान करना गर्व का विषय

हमें इस बात पर गर्व होना चाहिए कि हम विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक और सर्वोत्कृष्ट देश के नागरिक हैं और हमारे एक निष्पक्ष वोट से सर्वोत्कृष्ट सदन का निर्माण होगा और अच्छे जनप्रतिनिधि चुनकर आएंगे और राष्ट्र का निर्माण होगा। आगामी दिनों में देश के 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है और हमारे छत्तीसगढ़ में 07 एवं 17 नवंबर को मतदान होना है। हम सभी को निर्भिक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए, ताकि स्वच्छ छवि वाले जनप्रतिनिधि चुनकर आएं और जनसेवक बनकर क्षेत्र के विकास में अपनी संपूर्ण जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए राज्य का समुचित विकास करते हुए आमजनता की समृद्धि के लिए भी काम करें। भ्रष्टाचार मुक्त समाज और राज्य की परिकल्पना को साकार करने के लिए हमने ठाना है कि हम एक मजबूत सरकार बनाएं और अपने सपनों को साकार करने वाले जनप्रतिनिधि चुनें। सरकार का कर्तव्य होता है कि बिना भेदभाव के सभी नागरिकों को आगे बढ़ने का सुअवसर प्रदान करे। सरकारी नौकरी या योजनाओं में पारदर्शिता लाते हुए अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने वाली सरकार का गठन हो और एक अच्छे जनप्रतिनिधि चुनकर आएं। लालच, लोभ से ग्रसित मतदाता कभी भी अच्छी सरकार नहीं चुन सकता। इसलिए निष्पक्ष होकर वोट करें और अपनी आवाज को बुलंद करें। यही मौका है अच्छे जनप्रतिनिधि चुनने का और इस अवसर को कोई भी मतदाता न गवाएं और शत प्रतिशत मतदान के लिए अपने आपको तैयार करें और मतदान के दिन वोट अवश्य करें। यह याद रहे कि छत्तीसगढ़ में दो चरणों में मतदान होगा। 07 नवंबर और 17 नवंबर। यह दोनों तिथि याद रहे और अपने-अपने क्षेत्र में नियत तिथि को वोट अवश्य करें। यह लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक ही नहीं अपरिहार्य भी है।

संपादक

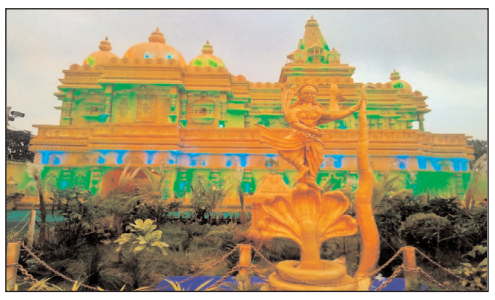

इस दुर्गा पंडाल ने बनाया वर्ल्ड रिकार्ड, देश का सबसे महंगा और विशाल

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाला यह दुर्गा पंडाल लखनऊ शहर के जानकीपुरम में बनाया गया है। यह दुर्गा पंडाल बेहद खास इसलिए है क्योंकि इस पंडाल को वृंदावन के मशहूर प्रेम मंदिर की तर्ज पर तैयार किया गया है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाला यह दुर्गा पंडाल लखनऊ शहर के जानकीपुरम में बनाया गया है। दुर्गापंडाल कुल 47,210 स्क्वायर फीट में बना है। इस पंडाल को बनाने में चार महीने का समय लगा है और कुल 55 लाख रुपये की लागत आई है। बता दें कि इस पंडाल को प्रेम मंदिर की हूबहू कॉपी बनाया गया है। पंडाल को प्रेम मंदिर का रूप देने के लिए थर्माकोल को संगमरमर जैसा दिखाया गया है। इसके लिए 650 लीटर पेंट की उपयोग हुआ है।

नवरात्रि के साथ नारी का जुड़ा है सम्मान

महिलाओं के साथ ही राष्ट्र का संपूर्ण विकास

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

अभी नवरात्रि चल रही है, ऐसे में महिलाओं के सम्मान में कुछ बातें याद आ गई। नवरात्रि तभी सफल है, जब हम महिलाओं के सम्मान में बात आगे ले जाएं। जब महिलाओं का अपमान होता है तब समाज अपंग हो जाता है और जहां महिलाओं को सम्मान मिलता है तभी समाज संपूर्ण कहलाता है। आज वह समय आ गया है जब हम समाज को संपूर्णता की ओर ले जाएं और महिलाओं का मान बढ़ाएं। केन्द्र सरकार ने महिला आरक्षण बिल को महिला वंदन योजना का नाम दिया है और महिलाओं को राजनीति में भी 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

अभी नवरात्रि चल रही है, ऐसे में महिलाओं के सम्मान में कुछ बातें याद आ गई। नवरात्रि तभी सफल है, जब हम महिलाओं के सम्मान में बात आगे ले जाएं। जब महिलाओं का अपमान होता है तब समाज अपंग हो जाता है और जहां महिलाओं को सम्मान मिलता है तभी समाज संपूर्ण कहलाता है। आज वह समय आ गया है जब हम समाज को संपूर्णता की ओर ले जाएं और महिलाओं का मान बढ़ाएं। केन्द्र सरकार ने महिला आरक्षण बिल को महिला वंदन योजना का नाम दिया है और महिलाओं को राजनीति में भी 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

महिला आरक्षण बिल पास तो हो गया लेकिन इसे 2025 में लागू करने की बात कही गई है। इस बिल में राष्ट्रपति की मुहर लग जाने के बाद इसे कानून का रूप दे दिया गया। अब लोकसभा और राज्यसभा में महिलाओं की भागीदारी 33 प्रतिशत सुनिश्चित हो चुकी है। वर्तमान में नजर डालें तो भारत की लोकसभा में केवल 14 फीसदी महिला सांसद हैं, जबकि राज्यसभा में केवल 11 फीसदी सांसद महिला सदस्य हैं। महिला आरक्षण के संबंध में हम दुनिया की बात करें तो महिला प्रतिनिधित्व के मामले में भारत 144वें नंबर पर है, जो चिंता का विषय हो सकता है। हम एक ओर महिलाओं को बराबरी का दर्जा देकर भारत को आगे ले जाना चाहते हैं, लेकिन आज भी महिलाएं राजनीति में बहुत पीछे दिखाई दे रही है। जब यह कानून प्रभावशील होगा तो संसद की दोनों सदनों में नजारा कुछ दूसरा ही दिखाई देगा।

इंटर पार्लियामेंट्री यूनियन की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक संसद में महिला प्रतिनिधित्व के मामले में भारत 193 देशों में 144वें नंबर पर हैं। भारत में फिलहाल 78 महिला सांसद हैं। इसमें लोकसभा में केवल 14 फीसदी महिला सांसद हैं। वहीं, राज्यसभा में केवल 11 फीसदी महिला सांसद है। पहली लोकसभा में केवल पांच फीसदी महिला सांसद थीं। ऐसे में पिछले 70 से अधिक साल में महिला सांसदों की संख्या में इजाफा हुआ है। हालांकि, रवांडा (61 फीसदी), दक्षिण अफ्रीका (43 फीसदी) और बांग्लादेश (21 फीसदी) भारत से आगे हैं।

1996 में पहली बार आया था विधेयक

महिला आरक्षण बिल सबसे पहले पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा के कार्यकाल में 81वें संविधान संशोधन विधेयक के रूप में पेश किया गया था। सरकार के अल्पमत में आने के बाद 12वीं लोकसभा में पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार 84वें संविधान संशोधन विधेयक के रूप में इसे एक बार फिर पेश किया गया था। अल्पमत होने के कारण 12वीं लोकसभा भंग हो गई और ये बिल एक बार फिर गिर गया। 13वीं लोकसभा में एनडीए सरकार ने एक बार फिर पेश किया लेकिन, आम सहमति नहीं जुटा पाई। इसके बाद साल 2002 और 2003 में ये बिल लाया गया लेकिन, ये पास नहीं हो सका।

यूपीए सरकार ने राज्यसभा में किया पेश

साल 2008 में पीएम मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने महिला आरक्षण विधेयक को राज्यसभा में पेश किया। इसे कानून और न्याय पर स्थाई समीति को सिफारिशों के लिए भेज दिया गया। साल 2009 में स्थाई समिति ने अपनी रिपोर्ट दी और एक बार फिर इसे संसद में पेश किया गया। समाजवादी पार्टी, जेदयू और राजद ने इस विधेयक का विरोध किया। 25 फरवरी 2010 को केंद्रीय मंत्रीमंडल ने इस बिल को मंजूरी दी।

आठ मार्च 2010 को राज्यसभा में विधेयक पेश किया गया और 10 मार्च को 186 मतों से इसे पास किया गया। हालांकि, इसके बाद से ही इसे लोकसभा में पेश नहीं किया गया है।

अब केन्द्र की मोदी सरकार ने इस बहुप्रतिक्षित महिला आरक्षण बिल को पास कराकर इसे कानून का रूप दिया और महिलाओं को उनका सम्मान मिला।

घर परिवार एवं समाज में भी महिलाओं को पूरा सम्मान मिले और उन्हें जीने का हक मिले तो यह राष्ट्र आगे बढ़ेगा। हम नवरात्रि में संकल्प करें कि पुरातन काल की तरह आज नारी को पूरा सम्मान दें और समाज को सात्विक रूप से आगे बढ़ाएं।

बंगाल में नवरात्रि की होती है अलग धूम, आखिरी के 4 दिन मां दुर्गा की होती है विशेष पूजा

सनातन धर्म में सभी त्योहारों पर चमक और रौनक दिखाई देती है। हिन्दू धर्म में शारदीय नवरात्रि के महापर्व को बड़े त्योहारों में से एक माना जाता है। नवरात्रि के 9 दिनों में मां दुर्गा के 9 अलग-अलग स्वरुपों की पूजा की जाती है। शारदीय नवरात्रि का यह त्योहार पूरे 9 दिन तक मनाया जाता है, लेकिन बंगाल में नवरात्रि की अलग ही धूम देखने को मिलती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बंगाल की दुर्गा पूजा की विशेषता के बारे में बताने जा रहे हैं।

हिन्दू धर्म में दुर्गा पूजा का विशेष महत्व होता है। नवरात्रि का महापर्व सभी राज्यों में अलग-अलग तरीके से मनाया जाता है। कहीं दुर्गा पूजा का आयोजन होता है तो कहीं गरबा खेलकर इस पर्व को मनाया जाता है। वहीं बंगाल में नवरात्रि के आखिरी 4 दिन काफी धूमधाम से मनाए जाते हैं। नवरात्रि के इन चार दिनों में बंगाल की महिलाएं पारंपरिक साड़ी पहनकर ढाक की धुन पर एक प्रकार का नृत्य करती हैं। इसके अलावा बंगाल जगह-जगह पर भव्य पंडाल लगाए जाते हैं। मां दुर्गा को तमाम तरह को पकवान अर्पित किए जाते हैं। साथ ही कई कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

विशेष होती है बंगाल की दुर्गा पूजा

दुर्गा पूजा का महापर्व पश्चिम बंगाल में बहुत ही हर्षोल्लास से मनाया जाता है। इस दौरान यहां पर बड़े-बड़े पंडाल सजाए जाते हैं। साथ ही मां दुर्गा की पूजा-आरती बड़े विधि विधान से की जाती है। लोग दूर दूर से बंगाल की दुर्गा पूजा देखने के लिए यहां पहुंचते हैं। बंगाल में नवरात्रि के छठें दिन से दुर्गा पूजा शुरू होती है और दस दिन तक चलती है। बंगाल के हिन्दुओं के लिए मां दुर्गा और काली की आराधना सबसे बड़ा पर्व है। बंगाल में दशहरे का पर्व भी सबसे ज्यादा अलग होता है।

पितृ पक्ष के खत्म होते ही शारदीय नवरात्र शरू हो जाते हैं। बंगाली भक्त नवरात्रि में दुर्गा पूजा की शुरूआत षष्ठी तिथि से होती है। बता दें कि बंगाल में इस साल दुर्गा पूजा की शुरूआत 20 अक्टूबर 2023 से शुरु होकर 24 अक्टूबर 2023 तक चलेगी। पांच दिन का यह त्योहार बंगालियों के लिए काफी अहम होता है। बंगाल के लोग नवरात्रि में प्रतिपदा तिथि से पंचमी तिथि तक मां दुर्गा की मूर्ति को सजाते और तैयार करते हैं। फिर छठें दिन से मां दुर्गा की उपासना करने का मान्यता है।

बंगाल की दुर्गा पूजा की विशेषता

पंचमी तिथि से दशमी तक बंगाल में विशेष तरीके से दुर्गा पूजा का आयोजन किया जाता है। इन पांच दिनों में बंगाल में कई तरह के अनुष्ठान जैसे, महालया, चाला, पुष्पांजलि, सिंदूर खेला, धुनुची नृत्य और पारा और बारिर का आयोजन किया जाता है।

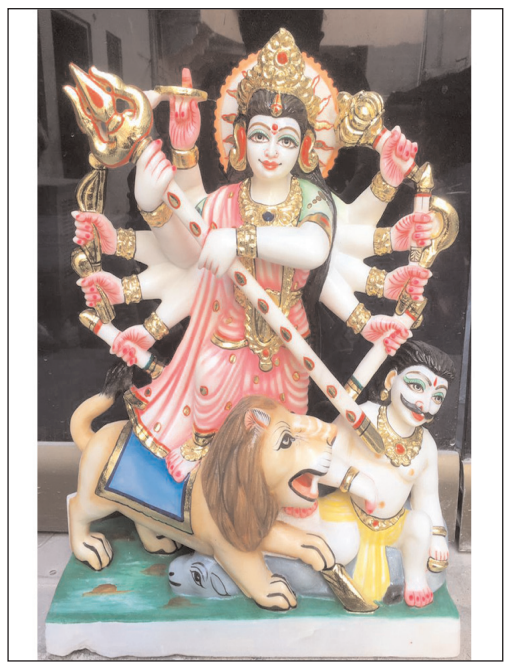

शक्तिपीठों के दर्शन

इस बार 15 अक्टूबर 2023 से शारदीय नवरात्रि की शुरूआत हो चुकी है। शारदीय नवरात्रि के चलते मां दुर्गा के 9 रूपों की पूजा की जाती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मां दुर्गा के 52 शक्तिपीठ मंदिरों के बारे में बताएंगे जोकि भारत के अलग-अलग राज्यों में स्थित हैं।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब राजा दक्ष ने अपने महल में विराट यज्ञ का आयोजन किया था। इस यज्ञ में उन्होंने अपनी सबसे छोटी बेटी सती और दामाद भोलेनाथ को आमंत्रित नहीं किया। लेकिन फिर भी भोलेनाथ के कहने पर माता सती अपने पिता के यज्ञ कार्य में शामिल हुईं। सती को वहां पर देखकर राजा दक्ष क्रोधित हो गए और सती के सामने ही शिवशंकर का अपमान करने लगे। माता सती अपने पति का अपमान नहीं सह सकीं और उसी क्षण वहां जल रही पवित्र अग्निकुंड में कूद कर अपने प्राण त्याग दिए। यह देखकर शिवशंकर बहुत क्रोधित हुए और माता सती के शव को लेकर तांडव करने लगे। उनके तांडव को शान्त करने का साहस किसी में भी न था। यह देखकर, भगवान शंकर के गुस्से को शांत करने के लिए विष्णु भगवान ने अपना सुदर्शन चक्र छोड़ दिया। उस चक्र से माता सती के शरीर के कई टुकड़े हो गए और जमीन पर गिर गए। माता सती के शरीर के अंग जहां-जहां भी गिरे उन स्थानों पर शक्तिपीठ बन गए।

1. मणिकर्णिका घाट-मणिकर्णिका का अर्थ है कान के झुमके। इस स्थान पर माता सती के कान के झुमके गिरे थे। यह स्थान उत्तर प्रदेश के वाराणसी में स्थित है।

2. माता ललिता देवी शक्तिपीठ-इस स्थान पर माता सती के हाथ की अंगुली गिरी थी। माता ललिता देवी शक्तिपीठ प्रयागराज में स्थित है।

3. रामगिरी शक्ति पीठ-इस स्थान पर माता सती का दायां स्तन गिरा था। यह उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में स्थित है।

4.कात्यायनी शक्तिपीठ-इस स्थान पर माता सती के बाल के गुच्छ और चूड़ामणि गिरे थे। यह स्थान वृंदावन में स्थित है।

5. देवी पाटन मंदिर-देवी पाटन मंदिर बलरामपुर में स्थित है। इस स्थान पर माता सती का बायां स्कंध गिरा था।

6. हरसिद्धि देवी शक्तिपीठ-यह स्थान मध्य प्रदेश में स्थित है। यहां पर माता सती की कोहनी गिरी थी।

7. शोणदेव नर्मता शक्तिपीठ-यह स्थान मध्यप्रदेश के अमरकंटक में है। यहां पर माता सती का दांया नितंब गिरा था।

8. नैना देवी मंदिर-यहां पर देवी सती की आंख गिरी थी। यह स्थान हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में शिवालिक पर्वत पर स्थित है।

9. ज्वाला जी शक्तिपीठ-इस स्थान पर माता सती की जीभ गिरी थी। यह स्थान हिमाचल के कांगड़ा में स्थित है।

10. त्रिपुरमालिनी माता शक्तिपीठ-इस स्थान पर माता का बायां स्तन गिरा था। पंजाब के जालंधर में है स्थित है।

11. पहलगाम शक्तिपीठ-इस स्थान पर माता सती का गला गिरा था। यह शक्तीपीठ कश्मीर में स्थित है।

12. सावित्री शक्तिपीठ-यह स्थान हरियाणा के कुरुक्षेत्र में है। इस स्थान पर माता के पैर की एड़ी गिरी थी।

13. मणिबंध शक्तिपीठ-इस स्थान पर माता सती की दो पहुंचियां गिरी थीं। मणिबंध शक्तिपीठ अजमेर के पुष्कर में स्थित है।

14.बिरात शक्तिपीठ-इस स्थान पर माता सती के बाएं पैर की उंगलियां गिरी थीं। बिरात शक्तिपीठ राजस्थान में स्थित है।

15. अंबाजी शक्तिपीठ मंदिर- अंबाजी शक्तिपीठ मंदिर गुजरात में है। यहां माता सती का हृदय गिरा था।

16. चंद्रभागा शक्तिपीठ-चंद्रभागा शक्तिपीठ गुजरात के जूनागढ़ में स्थित है। इस स्थान पर देवी सती का आमाशय गिरा था।

17. भ्रामरी शक्तिपीठ-भ्रामरी शक्तिपीठ का यह मंदिर महाराष्ट्र में स्थित है। इस जगह पर माता की ठोड़ी गिरी थी।

18. माताबाढ़ी पर्वत शिखर शक्तिपीठ-यह मंदिर त्रिपुरा में है। इस स्थान पर माता का दायां पैर गिरा था।

19. कपालिनी शक्तिपीठ -यह मंदिर बंगाल में है। यहां माता सती की बायीं एड़ी गिरी थी।

20. देवी कुमारी शक्तिपीठ-यह स्थान बंगाल के हुगली में है। यहां पर माता सती का दायां कंधा गिरा था।

21. विमला शक्तिपीठ-विमला शक्तिपीठ बंगाल के मुर्शीदाबाद में है। यहां पर देवी सती का मुकुट गिरा था।

22. त्रिस्त्रोता भ्रामरी शक्तिपीठ-यह शक्तिपीठ बंगाल के जलपाइगुड़ी में है। यहां पर माता सती का बायां पैर गिरा था।

23. बहुला देवी शक्तिपीठ-यह पश्चिम बंगाल के वर्धमान में स्थित है। इस मंदिर में माता का बायां हाथ गिरा था।

24. मंगल चंडिका माता शक्तिपीठ-यह शक्तिपीठ पश्चिम बंगाल केउज्जयिनी में स्थितहै। यहां पर माता सती की दायीं कलाई गिरी थी।

25. महिषमर्दिनी शक्तिपीठ-महिषमर्दिनी शक्तिपीठ पश्चिम बंगाल के वक्रेश्वर में स्थित है। इस स्थान पर देवी सती का भ्रूमध्य गिरा था।

26. नलहाटी शक्तिपीठ-नलहाटी शक्तिपीठ पश्चिम बंगाल के बीरभूम के नलहाटी में स्थित है। यहां माता सती के पैर की हड्डी गिरी थी।

27. इन्द्राक्षी शक्तिपीठ-इन्द्राक्षी शक्तिपीठ श्रीलंका के जाफना नल्लूर में है। इस जगह पर देवी सती की पायल गिरी थी।

28. गुह्येश्वरी शक्तिपीठ-गुह्येश्वरी शक्तिपीठ नेपाल में पशुपतिनाथ मंदिर से कुछ दूरी पर स्थित है। इस स्थान पर मां सती के दोनों घुटने गिरे थे।

29. आद्या शक्तिपीठ-आद्या शक्तिपीठ नेपाल में गंडक नदी के पास में है। ऐसा कहा जाता है कि यहां माता सती का बायां गाल गिरा था।

30.दंतकाली शक्तिपीठ-दंतकाली शक्तिपीठ नेपाल के बिजयापुर गांव में है। इस जगह पर माता सती के दांत गिरे थे।

31. मनसा शक्तिपीठ-मनसा शक्तिपीठ तिब्बत में मानसरोवर नदी के पास में स्थित है। यहां पर माता सती की दाईं हथेली गिरी थी।

32.मिथिला शक्तिपीठ -मिथिला शक्तिपीठ भारत-नेपाल सीमा पर स्थित है। इस स्थान पर माता सती का बायां कंधा गिरा था।

33. हिंगुला शक्तिपीठ-हिंगुला शक्तिपीठ पाकिस्तान के बलूचिस्तान में स्थित है। इस जगह पर माता सती का सिर गिरा था।

34. फुल्लारा देवी शक्तिपीठ-माता सती का यह मंदिर पश्चिम बंगाल के अट्टहास में स्थित है। यहां पर माता सती के होंठ गिरे थे।

35. नंदीपुर शक्तिपीठ-नंदीपुर शक्तिपीठ पश्चिम बंगाल में है। इस स्थान पर माता सती का हार गिरा था।

इसके अलावा माता सती के 17 शक्तिपीठ और भी हैं। जिनके नाम मां भद्रकाली देवीकूप मंदिर, चट्टल भवानी शक्तिपीठ, सुगंधा शक्तिपीठ, जयंती शक्तिपीठ, श्रीशैल महालक्ष्मी, यशोरेश्वरी माता शक्तिपीठ, युगाधा शक्तिपीठ, कलिका देवी शक्तिपीठ, कांची देवगर्भ शक्तिपीठ, भद्रकाली शक्तिपीठ, शुचि शक्तिपीठ, सर्वशैल रामहेंद्री शक्तिपीठ, कामाख्या शक्तपीठ, श्रीशैलम शक्तिपीठ और कर्नाट शक्तिपीठ आदि हैं। एजेंसी।

कांग्रेस का वचन पत्र...

2 लाख नई नौकरी, दो रुपए किलो गोबर, बिजली बिल हाफ, 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का वादा भी किया

भोपाल (एजेंसी)।

विधानसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस ने अपना वचन पत्र जारी कर दिया है। प्रेस कांफ्रेंस कर कमलनाथ ने कहा है कि हम युवाओं के लिए 2 लाख सरकारी नौकरी देंगे, दो रुपए किलो गोबर खरीदेंगे, मध्यप्रदेश को उद्योग का हब बनाएंगे। 25 लाख रुपए तक का बीमा देंगे। समाजिक सुरक्षा पेंशन योजना 1200 रुपए देंगे। मेरी बेटी रानी योजना के तहत जन्म से लेकर विवाह तक दो लाख रुपए देंगे। साथ ही कमलनाथ ने सबको हैरान करने वाला एक ये वादा भी किया है कि वे मध्यप्रदेश में भी एक आईपीएल जैसी टीम बनाएंगे।

ये हैं कांग्रेस के वचन पत्र में शामिल प्रमुख वादे...

जय किसान ऋण माफी योजना जारी रहेगी, इसके तहत दो लाख रुपए तक कर्ज माफ होगा।

नारी सम्मान निधि योजना के तहत हर महीने महिलाओं को 1500 रुपए देंगे।

गैस सिलेंडर 500 रुपए में देने का वादा।

100 यूनिट बिजली माफ.. 200 यूनिट पर हाफ

2005 से पुरानी पेंशन योजना शुरु करने की बात

किसानों का बकाया बिजली बिल माफ किया जाएगा।

एमपी में जातिगत जनगणना कराएंगे।

सरकारी सेवाओं, योजनाओं में ओबीसी को देंगे 27 प्रतिशत आरक्षण

तेंदूपत्ता की मजदूरी दर 4000 रुपए प्रति मानक बोरा करेंगे।

पढ़ो, पढ़ाओ योजना लागू करेंगे। जिसमें पहले से आठवीं तक के छात्रों को 500 रुपए, 9वीं से 10वीं तक के बच्चों को 1000 और 11वीं और 12वीं के बच्चों को 1500 रुपए महीना मिलेगा।

एमपी में स्कूली शिक्षा फ्री की जाएगी।

किसानों का धान 2500 में खरीदी जाएगी, 3 हजार का लक्ष्य है।

नंदिनी गोधन योजना के तहत सरकार दो रुपए किलो गोबर खरीदेंगे।

सरकार बनने के बाद 1 हजार गोशालाएं शुरू करेंगे।

सहकारी संस्थाओं में महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण।

प्रदेश में लुप्त हो रही नदियों के संरक्षण के लिए भागीरथ नदी संरक्षण कार्यक्रम प्रारंभ करेंगे।

युवाओं के लिए 2 लाख सरकारी पदों पर भर्ती निकालेंगे।

प्रतियोगी परीक्षा शुल्क में 100 फीसदी छूट देंगे।

बीते 18 सालों से लंबित भर्तियां भरी जाएंगी।

शिक्षित बेरोजगार युवकों को 1500 से 3 हजार तक प्रतिमाह दो साल तक आर्थिक सहायता देंगे

भोपाल को बनाएंगे प्रोफेशनल हब

प्रदेश को डिजिटल यूनिवर्सिटी घोषित करेंगे

बेटी के विवाह के लिए 1 लाख एक हजार की मदद देंगे।

महिलाओं को स्टार्टअप के लिए 25 लाख का लोन 3 फीसदी ब्याज पर उपलब्ध कराएंगे।

शहरों में बस सेवा फ्री करेंगे।

आंगनवाड़ी सहायिका को नियमित करने के लिए नियम बनाएंगे।

घाटी गुलजार...

जी 20 के बाद 20 हजार विदेशी आए, कश्मीर में आतंकी वारदात 59 प्रतिशत घटीं, इस साल विदेशी पर्यटक 8 गुना बढ़े

श्रीनगर (एजेंसी)।

कश्मीर की वादियों में अमन-चैन लौट रहा है। हालात बदल रहे हैं। पिछले पांच साल के दौरान आतंकी वारदात में 59 प्रतिशत तक की कमी आई है। स्थानीय युवा आतंकी गुटों में भर्ती होने से किनारा कर रहे हैं। ऐसे में विदेशी सैलानियों को कश्मीर लुभा रहा है। घाटी में पिछले साल 4100 विदेशी पर्यटक आए जबकि इस साल सितंबर तक 32 हजार आ चुके हैं। यानी पिछले साल की तुलना में अब तक लगभग आठ गुना विदेशी पर्यटक ज्यादा आए हैं।

1984 के नरसंहार का सरगना रहे हैं कमलनाथ- विजयवर्गीय

इंदौर(एजेंसी)

मध्य प्रदेश में जैसे-जैसे मतदान की तारीख नजदीक आती जा रही है, वैसे-वैसे जुबानी हमले तेज होते जा रहे हैं। एक ऐसा ही मामला इंदौर से सामने आया है जहां भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और विधानसभा एक के उम्मीदवार कैलाश विजयवर्गीय ने कमलनाथ और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कमलनाथ को 1984 के नरसंहार का सरगना बताया। उन्होंने आगे जनता से सवाल किया कि ऐसे व्यक्ति के नेतृत्व में कांग्रेस मध्यप्रदेश में जीतना चाहिए या नहीं?

इंदौर विधानसभा में अभी तक भाजपा ने 6 सीट पर उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं और लगातार छोटी सभाएं लेकर नेता संबोधित कर रहे हैं और कांग्रेस पर और उनके नेताओं पर लगातार जुबानी हमले किए जा रहे हैं।

इसी कड़ी में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को 1984 नरसंहार का सरगना बताया और इसके साथ ही उन्होंने कहा कि क्या ऐसे व्यक्ति के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में जितना चाहिए क्या? उन्होंने आगे कहा कि इजराइल और हमास का हमला हुआ हमारे देश के प्रधानमंत्री ने इजरायल का समर्थन किया क्योंकि हमारा देश हमेशा आतंकवाद के खिलाफ बोला है। हमने हमेशा आतंकवाद का विरोध किया है। हम आज भी आतंकवाद का विरोध करते हैं।

कांग्रेस प्रत्याशी घोषित होने के बाद अंबिकापुर पहुंचे टीएस सिंहदेव, बोले- जनता सब समझती है, कि किस सरकार ने वादे पूरे किए और किसने नहीं

अंबिकापुर (एजेंसी)।

कांग्रेस ने अपने पहले चरण के प्रत्याशियों की नाम घोषित कर दिए हैं। वहीं अंबिकापुर विधानसभा से कांग्रेस के प्रत्याशी के रूप में फिर से एक बार टी एस सिंह देव को प्रत्याशी बनाया गया है। टी एस सिंह देव लगातार तीन बार अंबिकापुर विधानसभा से विधायक रह चुके हैं। अब उन्हें चौथी बार अंबिकापुर विधानसभा की सीट से प्रत्याशी घोषित किया गया है।

अंबिकापुर पहुंचे उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि चुनाव लड़ने से पहले संगठन बहुत से वादे करता है, मगर सभी बातें वह पूरा नहीं कर पाता। मतदाता अब अधिक जागरूक हो चुके हैं, और वह स्वयं आकलन कर सकते हैं, कि पूर्व की सरकारों ने कितना काम किया था और हमने कितना किया है।

उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ता वरिष्ठ लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें पार्टी फिर से एक बार प्रत्याशी घोषित किया है, और क्षेत्र की जनता से आह्वान किया कि मुझे फिर से एक बार काम करने का मौका दें।

सुप्रीम कोर्ट का महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर को आखिरी मौका,कहा- विधायक अयोग्यता केस की समयसीमा तय करें, S G बोले- दशहरे की छुट्टी में पर्सनली देखूंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

महाराष्ट्र में विधायकों की अयोग्यता के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार 17 अक्टूबर को विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर को अंतिम मौका देने की बात कही। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि विरोधी धड़े (उद्धव ठाकरे) की तरफ से जो याचिकाएं दायर की गई हैं, उस पर फैसला लेने के लिए स्पीकर वास्तविक समयसीमा निर्धारित करें। अयोग्यता की याचिकाओं को जल्द निर्णय लिए जाने की जरूरत है।

महाराष्ट्र में विधायक अयोग्यता मामले की चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच में सुनवाई हुई। इसमें सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि दशहरे की छुट्टियों के दौरान मैं व्यक्ति रूप से स्पीकर से एंगेज रहूंगा और रास्ता निकालने में उनकी मदद करूंगा।

बेंच ने साफतौर पर कहा, टाइम शेड्यूल से हम संतुष्ट नहीं हैं। सॉलिसिटर जनरल ने भरोसा दिया है कि वे दशहरे की छुट्टियों में व्यक्तिगत रूप से स्पीकर से बात करेंगे और रास्ता निकालेंगे। अब मामले की सुनवाई 30 अक्टूबर को होगी।

कौन सा घटनाक्रम असंवैधानिक, यह तय हो- नार्वेकर

वहीं, महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने 17 अक्टूबर को बागी शिवसेना विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिकाओं पर कहा कि यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि किस घटनाक्रम को असंवैधानिक माना जाए।

नार्वेकर ने 21 सितंबर को कहा था कि मैं शिवसेना विधायकों की अयोग्यता पर फैसला लेने में देर नहीं करूंगा, लेकिन इस मामले में जल्दबाजी भी नहीं करूंगा। जल्दबाजी करना मिसकैरेज ऑफ जस्टिस हो सकता है। मैं जो भी फैसला लूंगा, संवैधानिक होगा।

13 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई थी

महाराष्ट्र में विधायकों के अयोग्यता (डिसक्वालिफिकेशन) मामले पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार 13 अक्टूबर को सुनवाई हुई। कोर्ट ने इस मामले में लगातार हो रही देरी पर महाराष्ट्र स्पीकर पर नाराजगी जताई थी। कोर्ट ने कहा कि कोई उन्हें (स्पीकर राहुल नार्वेकर) समझाए कि वे हमारे आदेश का उल्लंघन नहीं कर पाएंगे। कोई भी कार्यवाही महज दिखावा नहीं हो सकती। स्पीकर ने 21 सितंबर को कहा था कि मैं शिवसेना विधायकों की अयोग्यता पर फैसला लेने में देर नहीं करूंगा, लेकिन इस मामले में जल्दबाजी भी नहीं करूंगा।

सुप्रीम कोर्ट का सेम-सेक्स मैरिज को कानूनी मान्यता देने से इनकार

सीजेआई ने कहा- संसद कानून बना सकता है, कोर्ट सिर्फ उसे लागू करा सकता है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सेम सेक्स मैरिज को कानूनी मान्यता देने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। मंगलवार यानी 17 अक्टूबर को 5 जजों की संविधान पीठ ने कहा कि कोर्ट स्पेशल मैरिज एक्ट में बदलाव नहीं कर सकता। कोर्ट सिर्फ कानून की व्याख्या कर उसे लागू करा सकता है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि स्पेशल मैरिज एक्ट के प्रावधानों में बदलाव की जरूरत है या नहीं, यह तय करना संसद का काम है।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस हिमा कोहली, जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस रविंद्र भट और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की संविधान पीठ ने इस मामले की सुनवाई की थी। जस्टिस हिमा कोहली को छोड़कर फैसला चीफ जस्टिस चंद्रचूड़, जस्टिस कौल, जस्टिस भट और जस्टिस नरसिम्हा ने बारी-बारी से फैसला सुनाया।

सीजेआई ने सबसे पहले कहा कि इस मामले में 4 जजमेंट हैं। एक जजमेंट मेरी तरफ से है, एक जस्टिस कौल, एक जस्टिस भट और जस्टिस नरसिम्हा की तरफ से है। इसमें से एक डिग्री सहमति की है और एक डिग्री असहमति की है कि हमें किस हद तक जाना होगा।

राहुल बोले- मणिपुर में जो हुआ, वह भाजपा की आइडियोलॉजी पीएम वहां नहीं गए, जैसे वो देश का हिस्सा ही नहीं

आइजॉल (एजेंसी)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मिजोरम दौरे का मंगलवार 17 अक्टूबर को दूसरा दिन था। यहां उन्होंने कहा कि कुछ दिनों पहले मैं भारत जोड़ो यात्रा से कन्याकुमारी से कश्मीर तक चला। इसका आइडिया भाजपा और आरएसएस की ओर से देश में फैलाई गई विचारधारा से लड़ना था। अगर हम देश में ध्यान से देखें तो भाजपा की आइडियोलॉजी साफ नजर आएगी। मणिपुर में जो हो रहा है, उससे पता चलता है कि बीजेपी की आइडियोलॉजी क्या कर सकती है। वहां सैकड़ों लोग मार दिए गए, महिलाओं से छेड़ाछाड़ हुई, उनका रेप हुआ। बच्चों को मार दिया गया, लोगों के घर जलाए जा रहे हैं। इसके बाद भी पीएम ने मणिपुर का दौरा नहीं किया।

ऐसा लगता है कि पीएम के लिए मणिपुर देश का हिस्सा नहीं है। इसलिए वे मणिपुर को महत्व नहीं दे रहे हैं। राहुल ने मिजोरम के लुंगलेई में जनसभा को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। वे दो दिन (16-17 अक्टूबर) के मिजोरम दौरे पर थे।

राहुल गांधी ने कहा-यहां आकर मेरी पुरानी यादें ताजा हो जाती हैं, जब मैं 1986 में यहां आया था। तब मिजोरम हिंसा से शांति और सद्भाव की ओर बढ़ रहा था। 1987 में आपको राज्य का दर्जा मिला, यह लंबा सफर था। यहां कई युवा बैठे हैं, जिन्होंने मिजोरम में हिंसा नहीं देखी, लेकिन पुरानी पीढ़ी को हिंसा की कीमत पता है। मिजो नेशनल फ्रंट का रिकॉर्ड सबके सामने है। राज्य में बेरोजगारी बढ़ रही है। नशीली दवाओं पर नकेल कसने में सरकार विफल है, जिसके चलते पांच साल में 250 युवाओं की जिंदगी खत्म हो गई। एनएमएफ खुले तौर पर उन लोगों का समर्थन करती है, जो मिजोरम के विचार पर हमला कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने सुबह 11 बजे आइजॉल में प्रेस कॉन्फ्रेंस की

राहुल गांधी ने दौरे के दूसरे दिन मंगलवार यानी 17 अक्टूबर की सुबह मिजोरम के कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक की। इसके बाद सुबह 11 बजे आइजोल में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कांग्रेस नेता ने कहा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चाहता है कि देश एक विचार (आइडियोलॉजी) और एक संगठन से चले। हम इसका विरोध करते हैं। हम अधिकार बांटने (विकेंद्रीकरण) पर विश्वास करते हैं, जबकि भाजपा मानती है कि सारे फैसले दिल्ली में होने चाहिए। भाजपा भारत के संस्थागत ढांचे पर कब्जा करने की कोशिश कर रही है।

मेरठ की साबुन फैक्ट्री में 2 धमाके 5 की मौत,मलबे में 10 दबे

मेरठ (एजेंसी)।

मेरठ में मंगलवार सुबह साबुन फैक्ट्री में बम धमाके जैसे 2 विस्फोट हुए। ये धमाके 30 मिनट के अंदर हुए। इसमें 5 लोगों की मौत हो गई। 10 मजदूर मलबे में दब गए। कई की हालत गंभीर है। ब्लास्ट इतना तेज था कि दो मंजिला फैक्ट्री ताश के पत्तों की तरह धराशायी हो गई। आसपास के 4 मकान क्षतिग्रस्त हो गए। पूरे इलाके में धुएं का गुबार छा गया। मौके से आतिशबाजी और उसे बनाने का सामान मिला है। मालिक फरार है। DM, SSP समेत सीनियर अफसर मौके पर जांच कर रहे हैं। एटीएस भी मौके पर पहुंची है।

शहर के लोहिया नगर में बिल्डिंग में साबुन फैक्ट्री है। मंगलवार सुबह यहां 14 मजदूर काम कर रहे थे। विस्फोट की सूचना पर पहुंची पुलिस, फायर ब्रिगेड की टीम और आस-पास के लोगों ने मलबे में दबे लोगों को निकालना शुरू किया। विस्फोट इतना भयावह था कि कई मजदूर कई मीटर दूर जाकर गिरे। उनका पूरा शरीर जल गया था। झुलसी हुई लाशें भी इधर-उधर बिखरी थीं। साबुन फैक्ट्री में बड़ी संख्या में आतिशबाजी, प्लास्टिक शेल्स मिले हैं। आशंका है कि आतिशबाजी के चलते ही पूरा विस्फोट हुआ है।

" इस पॉलिसी में निवेश पोर्टफोलियो में निवेश का जोखिम पॉलिसीधारक द्वारा वहन किया जाएगा "

सबसे पहले एलआईसी

एक सीप - दो फायदे

बचत भी : सुरक्षा भी

एलआईसी की सीप

योजना सं.: 852 UIN 512L334V01

यूनिट लिंक्ड, असहभागी, व्यक्तिगत जीवन बीमा योजना

चुनने की आजादी

बचत धनराशि : आपकी बचत रू. 4000/- प्रति माह या रू. 40000/- प्रति वर्ष से शुरू हो कर जीवन के बड़े लक्ष्यों के लिए उससे अधिक हो सकती है।

4 फंड विकल्प : आप बांड, सुरक्षित, संतुलित एवं वृद्धि में से कोई भी विकल्प चुन सकते हैं।

निःशुल्क फंड परिवर्तन : आप अपना धन वर्ष में चार बार निःशुल्क एक फंड से दूसरे फंड में परिवर्तित कर सकते हैं।

आवश्यकता पर निकासी : 5 वर्ष उपरांत आप आंशिक निकासी कर सकते हैं।*

पॉलिसी के लाभ :

- जोखिम सुरक्षा उपलब्ध
- गारंटीकृत लाभ : यूनिट फंड वैल्यू के साथ गारंटीकृत लाभ*
- पॉलिसी परिपक्वता : यूनिट फंड वैल्यू

पात्रता :

प्रवेश की आयु : न्यूनतम आयुः 90 दिन अधिकतम आयुः 65 वर्ष

परिपक्वता आयुः न्यूनतम आयुः 18 वर्ष अधिकतम आयुः 85 वर्ष

पॉलिसी अवधि : 10-25 वर्ष

सभी नई पॉलिसियों की अधिक जानकारी के लिए आज ही संपर्क करें-

सालिक राम राजवाड़े

(बीमा अभिकर्ता)

वेदांत बीमा सेवा केंद्र

निवास : सत्यनारायण मंदिर के पास, पोड़ी बहार कोरबा

मो.नं.-90987-52955, 99262-57886

करार के प्रथम पाँच वर्ष में यूनिट से संबद्ध बीमा पॉलिसियां समाप्त नहीं की जा सकती। पाँचवे वर्ष के अंत तक यूनिट से सबद्ध बीमा पॉलिसियों को पॉलिसीधारक न समर्पण कर सकता है और न ही उनमें निवेश किये गए धन को आंशिक या पूर्ण रूप से निकाल सकता है।

LIC भारतीय जीवन बीमा निगम LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हर पल आपके साथ

जयसिंह को कांग्रेस ने दिया चौथी बार मौका,ली प्रेसवार्ता, कहा-

इस बार 30 हजार से अधिक मतों से जीतेंगे

कोरबा (दिव्य आकाश)।

तीन बार के कोरबा विधायक जयसिंह अग्रवाल पर कांग्रेस संगठन ने चौथी बार भरोसा करते हुए उन्हें कोरबा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस का प्रत्याशी बनाया है। कोरबा विधानसभा क्षेत्र में अब जयसिंह अग्रवाल का सामना भाजपा के लखनलाल देवांगन से होगा।

प्रत्याशी बनाये जाने के बाद जयसिंह अग्रवाल कोरबा पहुंचे जहां पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका जोशीला स्वागत किया और उसके बाद उन्होंने कांग्रेस कार्यालय में प्रेसवार्ता लेकर कहा कि मुझे जनता का विश्वास और प्यार दोनों मिला है और इस बार और अधिक मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस बार जनता के आशीर्वाद से जीत की लीड 30 हजार से अधिक होगी।

मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि दूसरे पार्टी के लोग चुनाव आने के बाद तैयारी करते हैं, लेकिन मैं जिस दिन पदभार ग्रहण करता हूं, उसी दिन से ही मेरी तैयारी रहती है। जनता ने मुझे अब तक बेहद प्यार और आशीर्वाद दिया है, इस बार और भरपूर मिलेगा। मुझे आशा है कि इस बार जनता के भरोसे हमारी जीत 30 हजार से अधिक की लीड के साथ होगी। मैने अपने 15 साल के विधायकी और 5 साल के मंत्रीत्व काल में जनता के लिए काम किया है और इस बार जनता का भरोसा और बढ़ा है, क्योंकि मैने इन पांच सालों में जनता की मांग को पूरा करने का भरपूर प्रयास किया और समस्याओं का निदान करने में सफलता पायी। आज 5 सालों में कोरबा के विकास को नया आयाम मिला और आप सभी देख रहे हैं कि किस तरह से पांच सालों में कोरबा की तस्वीर बदल गई है और महानगरों की तर्ज पर विकास हो रहा है। मुख्य मार्गों से लेकर गली कूचे तक विकास दिख रहा है।

परिसीमन के बाद अस्तित्व में आई कोरबा विधानसभा में अब तक तीन बार चुनाव हुए और तीनों बार कांग्रेस के जयसिंह अग्रवाल ने जीत हासिल की। वर्ष 2018 में कांग्रेस के सत्ता में आने पर श्री अग्रवाल को राजस्व मंत्री पद का दायित्व दिया गया और अब एक फिर पार्टी ने उन पर भरोसा जताते हुए चौथी बार टिकट प्रदान कर मैदान में उतार दिया है। उनका मुकाबला भाजपा के पूर्व संसदीय सचिव लखनलाल देवांगन से होगा।

नगर निगम में कुल 67 वार्ड हैं, जिनमें 59 वार्ड में कोरबा विधानसभा क्षेत्र में आता है। परिसीमन के पहले यह क्षेत्र कटघोरा विधानसभा के अधीन था। वर्ष 2008 में बनी इस सीट से पहली बार कांग्रेस ने जयसिंह अग्रवाल को टिकट प्रदान किया था, इसके बाद से लगातार वे विधायक हैं। जयसिंह का सामना करने तीनों चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने अपने प्रत्याशी बदले, पर जीत की सफलता नहीं मिल पाई। रविवार को कांग्रेस की पहली 30 प्रत्याशियों की सूची जारी हुई, इसमें श्री अग्रवाल का नाम शामिल रहा। छात्र जीवन से राजनीति में आए श्री अग्रवाल शहर में हर समाज, वर्ग व लोगों के बीच अपनी सशक्त पहचान बना चुके है। यही वजह है कि पार्टी ने उन पर चौथी बार विश्वास जताया है। वर्ष 1980 में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थी जीवन के दौरान छात्र संघ के अध्यक्ष बने। अविभाजित मध्य प्रदेश शासन काल के दौरान वर्ष 1996 से 1998 तक कोरबा में विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण के चेयरमैन रहे। यही उनके राजनीतिक जीवन का टर्निंग पाइंट रहा। अपने विकासशील कार्यों की वजह से राजनीति के क्षेत्र में अलग पहचान बनाई। वर्ष 2018 में राजस्व मंत्री बनने का अवसर मिला और इस दौरान उन्होंने राजस्व विभाग के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय कार्य किए।

कांग्रेस से प्रत्याशी बनाए जाने के बाद राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि चुनाव तो अभी आया है, मैं तो 12 माह चुनाव लड़ता हूं और जनता के बीच रहता हूं। लगातार तीन बार जीत हासिल करने पर पार्टी ने चौथी बार मुझ पर भरोसा जताया है और उनके इस भरोसे को कायम रखा जाएगा। पहली बार मैंने 587 वोट से चुनाव जीता था, दूसरी बार 14,000 और तीसरी बार 11,000 मत से जीत हासिल किया। यह सब मिलाकर लगभग 27000 वोट होते हैं। इस बार इन तीनों चुनाव को मिलाकर 30,000 वोट के अंतर से चुनाव जीतना है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पांच साल में काफी काम किया है। गरीब से लेकर युवाओं तक और शहर का सौंदर्यीकरण से लेकर मेडिकल, शिक्षा और अंग्रेजी माध्यम की स्कूली शिक्षा तक काम हुए हैं और इन्हीं काम को जनता के बीच लेकर जाऊंगा। अग्रवाल ने कहा कि कोरबा मां सर्वमंगला की नगरी है और सोमवार को यहां माथा टेक कर मां से आशीर्वाद लेने के बाद अपना चुनाव प्रचार अभियान शुरू करते हुए सभी क्षेत्र का दौरा करूंगा।

एक प्रश्न के जवाब में श्री अग्रवाल ने कहा कि नया ट्रांसपोर्ट नगर का मुद्दा कोरबा में बेहद अहम है। कोरबा में एक निष्क्रिय कलेक्टर की पदस्थापना थी, जिसे बिलासपुर से चुनाव आयोग ने निष्क्रियता के कारण ही हटा दिया। इसी कलेक्टर के साथ मिलकर भाजपा के लोगों ने नए ट्रांसपोर्ट नगर का पेंच फंसा दिया था। कलेक्टर ने तब नया ट्रांसपोर्ट नगर के स्थल को परिवर्तित करने का काम किया। इसमें भाजपा के लोगों की भी संदिग्ध भूमिका रही। मेरा वादा है कि नया ट्रांसपोर्ट नगर जिस जगह पर प्रस्तावित थी, उसी स्थान पर उसे बनाएंगे।

श्री अग्रवाल ने कहा कि संगठन ने मुझे जब मरवाही विधानसभा उप चुनाव का प्रभारी बनाया था। तब मैंने पहले बता दिया था कि 30000 वोटों से चुनाव जीतेंगे और 38000 वोटों से चुनाव जीते। उन्होंने कहा कि कोरबा में 1320 मेगावाट का पावर प्लांट लगने जा रहा है। वहीं बाल्को के स्मेल्टर का विकास होगा, इससे बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलेगा। इसमें अलावा मेडिकल कालेज खुलवाने का काम हो, सात से ज्यादा अंग्रेजी माध्यम आत्मानंद स्कूल खुलवाने और 10 हजार लोगों को पट्टे का वितरण का कार्य किया गया है। मानिकपुर पोखरी, अशोक वाटिका के विकास के साथ ही हर घर में नल कनेक्शन, कोरबा में सड़कों का जाल बिछाया जाना, एसईसीएल से 300 करोड रुपये लाकर जिला के विकास में खर्च कराना, इन सब काम के आधार पर हम जनता से वोट मांगेंगे। इस अवसर पर राजकिशोर प्रसाद, सुरेन्द्र जायसवाल, श्याम सुंदर सोनी, कुसुम द्विवेदी, संतोष राठौर, विकास सिंह सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

उम्मीदवार कोई भी हो हमें कांग्रेस को जीताना है-प्रशांत मिश्रा

पसान में कांग्रेस कार्यालय का किया उद्घाटन

कोरबा/पाली (दिव्य आकाश)।

जैसे जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहा है, वैसे वैसे राजनीतिक दलों में हलचल तेज होने लगी है। इसी क्रम में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस ने अपने चुनावी कामकाज हेतु गत मंगलवार को पसान में प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश महासचिव प्रशांत मिश्र ने कांग्रेस कार्यालय का उद्घाटन किया है।

कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव प्रशांत मिश्र ने कहा कि टिकट किसी को भी मिले हम सबको कांग्रेस के लिए काम करना है और विधायक प्रत्याशी को भारी मतों से विजयी बना है। जिसे बड़े ही बखूबी से साथ हम निभाते आए हैं, वहीं कार्यकर्ताओं से उन्होंने ने कांग्रेस के पक्ष में समर्थन जुटाने की बात कही। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ब्लॉक अध्यक्ष बचन शाय कोराम, संयुक्त महासचिव जुनैद खान, सुरेश गुप्ता, जफर खान, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष लेखराम यादव जिला महासचिव हरी प्रसाद शास्त्री, एल्डरमेन सुरेश गुप्ता, पाली ब्लॉक अध्यक्ष यशवंत लाल एवं वरिष्ठ कांग्रेसी मौजूद थे। ज्ञातव्य हो कि पाली तानाखार में कांग्रेस की जीत के लिए रणनीति तैयार हो रही है।

बैग में रखे 8 लाख रुपये कैश कार से बरामद:चुनाव में अवैध कैश फ्लो रोकने चेकपोस्ट पर चेकिंग, वैध दस्तावेज नहीं दिखा पाया आरोपी

पुलिस अलर्ट

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर वाहनों की जांच के साथ ही अवैध नकदी रकम पकड़ने का दौर जारी है। इसी कड़ी में कोरबा की बांगो पुलिस ने 8 लाख रुपए कैश रकम के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में बांगो पुलिस ने आगे की कार्रवाई की है।

वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने महेंद्र सिंह नाम के व्यक्ति की कार रूकवा कर कार की तलाशी ली। जहां तलाशी के दौरान कार में रखे बैग में 8 लाख रुपए कैश पाया । पुलिस ने रूपयों के संबंध में पूछताछ की और वैध दस्तावेज मांगे, लेकिन आरोपी कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर पाया। बांगो थाना प्रभारी मनीष नागर ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला के द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अवैध कैश फ्लो रोकने के लिए दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन दिये गये थे। इसी कड़ी में बांगो पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान आठ लाख रूपये कैश जब्त की गई। आरोपी वैध दस्तावेज पेश नहीं कर पाया। जिसके बाद आगे की कार्रवाई की गई है।

बाइक की डिग्गी से मिले सोने-चांदी के जेवरात जब्त

कोरबा (दिव्य आकाश)।

हरदी बाजार थाना क्षेत्र में जांच के दौरान एक बाइक सवार के पास से भारी मात्रा में सोने और चांदी की जेवरात बरामद किए। वहीं सामान के संबंध में उचित दस्तावेज नहीं दिए जाने के बाद पुलिस ने सामान को जब्त कर आगे की कार्रवाई की। इसकी कीमत लगभग 10 लाख 50 हजार रुपए बताई जा रही है। बाइक सवार बलौदा जिला जांजगीर निवासी सुरेश सोनी है। वह पेशे से सोनार का काम करता है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक वह बलौदा की तरफ से आ रहा था। इस दौरान जांच करने पर उसके बाइक की डिग्गी से बैग में भरे 15.087 किलो ग्राम कीमती सोने-चांदी के जेवरात जब्त किए गए।

रोजगार का सुनहरा अवसर

कोरबा में पहली बार पंचकर्म चिकित्सा प्रशिक्षण प्रारंभ किया जा रहा है। 8वीं एवं 10वीं पास युवक/युवती पंचकर्म चिकित्सा पद्धति सीख कर रोजगार की गारंटी पाएं। प्रशिक्षण शुल्क नाम मात्र।

संपूर्ण बायोडाटा के साथ पंचकर्म प्रशिक्षण हेतु आज ही संपर्क करें-

आयुर्वेद सदन-
पंचकर्म चिकित्सालय
आर्युलाईन मल्टी स्पेशलिटि पंचकर्म हॉस्पिटल
प्लाट नं.: 310,सुदर्शन भवन (पंचकर्म सदन) मेन स्टेट बैंक के पास, प्रजापति ब्रह्मकुमारी विश्वविद्यालय के बगल में, टी.पी. नगर (कोरबा), मो.: 94255-47677, 83193-24280

LIC है तो कहीं और क्यों जाएं...?
एलआईसी कराएं... परिवार में सुख-समृद्धि पाएं
LIC भारतीय जीवन बीमा निगम LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
आज ही बीमा कराएं अपने और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित एवं बेहतर बनाएं
नई योजनाओं की जानकारी आज ही लें।
सालिक राजवाड़े (बीमा अभिकर्ता)
कार्पोरेट ऑफिस - वेदांत बीमा सेवा केंद्र
प्रेस क्लब के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
मो.नं.-90987-52955, 99262-57886

दुकान किराये पर देना है
कोरबा के हृदय स्थल टी.पी. नगर नया बस स्टैंड के पास होटल ब्लू डायमंड के सामने दो दुकान 13x18 डूप्लेक्स शीघ्र ही किराए पर देना है।
हमसे संपर्क करें-
गोपाल राय सोनी
मो.: 79996 32557

पंजीयन क्र. - 122202313506
छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ
(संबद्ध राष्ट्रीय अखबार वितरक संघ)
जिला -कोरबा (छ.ग.)
डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम (प्रेरणा स्त्रोत)
नवरात्रि, विजयादशमी एवं दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ
विनोद कुमार सिन्हा प्रदेश अध्यक्ष
विपेन्द्र साहू जिला अध्यक्ष कोरबा
जय नेताम जिला सचिव कोरबा
रेशम साहू जिला संरक्षक कोरबा
लक्ष्मी राठौर जिला कोषाध्यक्ष कोरबा
राजकुमार पटेल जिला उपाध्यक्ष कोरबा
रामा मीडिया प्रभारी
अनिल गिरी प्रवक्ता
तपेश्वर राठौर संयोजक
राय सिंह सहसचिव
कृष्णा निर्मलकर सलाहकार
दिलीप यादव कार्यकारिणी सदस्य
दिलबाग कार्यकारिणी सदस्य
विल्शन लाल कार्यकारिणी सदस्य

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर राजवाड़े द्वारा आकाश आफसेट टीपी नगर कोरबा से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com